भारत सरकार

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 5325

उत्तर देने की तारीख 25.07.2019

जम्मू और कश्मीर में केवीआईसी कार्यक्रम/योजनायें

†5325. श्री हसनैन मसूदीः

क्या सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) वर्तमान में मंत्रालय द्वारा जम्मू और कश्मीर में खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) के माध्यम से चलाए जा रहे कार्यक्रमों/योजनाओं का ब्यौरा क्या है;

(ख) जम्मू-कश्मीर में केवीआईसी केंद्रों की वर्तमान स्थिति/ब्यौरा क्या है;

(ग) पंपोर, जम्मू और कश्मीर में केवीआईसी केंद्र/कार्यालय की वर्तमान कार्य प्रणाली का ब्यौरा क्या है; और

(घ) पंपोर, जम्मू और कश्मीर में केवीआईसी केंद्र/कार्यालय के विस्तार के लिए मंत्रालय द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री

(श्री नितिन गडकरी)

(क): सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय, खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) के माध्यम से जम्मू और कश्मीर सहित देश भर में निम्नलिखित कार्यक्रम/स्कीमें और कार्यकलाप कार्यान्वित कर रहा हैः

i) प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी)
ii) बाजार संवर्धन और विकास सहायता (एमपीडीए)
iii) ब्याज सब्सिडी पात्रता प्रमाण-पत्र (आईएसईसी) स्कीम
iv) खादी सुधार और विकास कार्यक्रम (केआरडीपी)
v) खादी कारीगरों के लिए वर्कशेड स्कीम
vi) विद्यमान कमजोर खादी संस्थाओं की अवसंरचना का सुदृढ़ीकरण और विपणन अवसंरचना के लिए सहायता।
vii) आम आदमी बीमा योजना (खादी कारीगरों के लिए समूह बीमा स्कीम)
viii) परंपरागत उद्योगों के पुनर्सृजन के लिए निधि स्कीम (स्फूर्ति)
ix) हनी मिशन (मधुमक्खी पालन)
x) कुम्हारी (पाटरी) कार्यक्रम (कुम्हार सशक्तिकरण कार्यक्रम)

(ख): वर्तमान में केवीआईसी पंपोर में एक उप-कार्यालय तथा जम्मू में राज्य कार्यालय चलाने के अलावा पंपोर (जिला पुलवामा) में एक प्रशिक्षण केन्द्र नामतः उत्पादन सह विपणन सह प्रशिक्षण केन्द्र (पीएमटीसी) चला रहा है।

(ग): वर्तमान में केवीआईसी पंपोर स्थित अपने प्रशिक्षण केन्द्र में युवाओं (लड़कों और लड़कियों दोनों) को विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण अर्थात, कटिंग और टेलरिंग, मेहंदी डिजाइनिंग, कढ़ाई, मोबाइल मरम्मत इत्यादि प्रदान कर रहा है तथा उनका प्रशिक्षण पूर्ण होने के उपरांत उनकी आजीविका के उपार्जन का अवसर प्रदान करने के लिए पीएमईजीपी में शामिल करके पथ-प्रदर्शन (हैंडडोल्डिंग) सहायता प्रदान करता है। इसके अलावा, पंपोर स्थित केन्द्र में पीएमईजीपी लाभार्थियों को 10 दिन का ईडीपी प्रशिक्षण दिया जाता है। विगत तीन वर्षों में जम्मू और कश्मीर में पीएमटीसी पंपोर का कार्यनिष्पादन और पीएमटीसी, केवीआईसी की उपलब्धि **अनुबंध** में दिए गए हैं।

(घ): केवीआईसी केन्द्र/कार्यालय, पंपोर ने सहयोग स्कीम के अंतर्गत कश्मीर घाटी में कुम्हारों को पॉटरी व्हील्स और मधुमक्खी पालकों को हनी बॉक्स वितरित किए हैं। केवीआईसी केन्द्र/कार्यालय, पंपोर ने सम्पूर्ण कश्मीर के साथ-साथ कैम्पस में कुम्हारी (पॉटरी) और मधुमक्खी पालन में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए हैं।

******

अनुबंध

दिनांक 25.07.2019 को उत्तर के लिए लोक सभा अतारांकित प्रश्न सं. 5325 के भाग (ग) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध

पंपोर, जम्मू और कश्मीर के उत्पादन सह विपणन सह प्रशिक्षण केन्द्र (पीएमटीसी) का कार्यनिष्पादन

क्र. सं.	वर्ष	नियमित प्रशिक्षण	ईडीपी	ईएपी	जागरूकता कैम्प
1.	2011-12	61	-	-	
2.	2012-13	116	384	834	130
3.	2013-14	90	454	945	161
4.	2014-15	171	844	863	134
5.	2015-16	40	936	911	101
6.	2016-17	40	448	204	650
7.	2017-18	225	631	394	200
8	2018-19	524	560	200	100

केवीआईसी ने दिनांक 22.08.2017 को जम्मू और कश्मीर में पंपोर स्थित ऐतिहासिक प्रशिक्षण केन्द्र (पीएमटीसी) को पुनर्जीवित किया तथा विगत तीन वर्षों के दौरान इसके और केवीआईसी द्वारा प्राप्त उपलब्धियाँ निम्नानुसार हैः

1. अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति विशेष अभियान (पीएमईजीपी) कार्यक्रम के अंतर्गत कारगिल एवं लेह में दो जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए;
2. दिनांक 25.10.2017 को पीएमटीसी पंपोर में प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाणपत्र तथा हनी कॉलोनियों सहित 100 मधुमक्खी बॉक्स वितरित किए;
3. पीएमटीसी, पंपोर में 'केसर (सैफरॉन) मिशन' के अंतर्गत केसर फसल आरंभ किया;
4. दिनांक 25.3.2018 को गांव गजन्सू, जिला जम्मू में एक सप्ताह के मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण के उपरांत 32 किसानों को 320 मधुमक्खी के छत्ते (हाइब्स), कॉलोनियाँ और टूल किट वितरित की गई;
5. जम्मू में 32 किसानों को 320 मधुमक्खी के छत्ते (हाइब्स), कॉलोनियाँ, टूल किट वितरित की गई;
6. गान्दरबल में विश्व शहद दिवस मनाया गया;
7. कुपवाड़ा में 2330 मधुमक्खी बाक्स वितरित किए गए जो कि एक विश्व रिकार्ड है;
8. कारगिल में 150 पीएमईजीपी लाभार्थियों को ईडीपी प्रशिक्षण प्रदान किया गया (जहाँ कोई आरएसईटीआई नहीं है) ;
9. कश्मीर क्षेत्र के विभिन्न जिलों में 180 परंपरागत कुम्हारों को कुम्हारी (पॉटरी) प्रशिक्षण प्रदान किया गया तथा उन्हें इलैक्ट्रिक पॉटरी मशीनें प्रदान की गई;
10. लिक्केर गांव लेह में पॉटरी प्रशिक्षण प्रदान किया गया तथा 20 इलैक्ट्रिक पॉटरी मशीनें वितरित की गई;
11. दिनांक 17.07.2019 को कुपवाड़ा में 100 लाभार्थियों को 1000 मधुमक्खी बॉक्स वितरित किए गए;
12. 28 लाभार्थियों को 28 इलैक्ट्रिक पॉटरी मशीनें वितरित की गई।